गुढ़ क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर प्रशासन की चुप्पी को लेकर उठे सवाल

बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे ट्रैक्टर, पहाड़ों का सीना चीरकर बेचे जा रहे पत्थर, पर्यावरण और सरकारी राजस्व दोनों पर पड़ रही मार

नवभारत न्यूज

गुढ़, 14 जून, गुढ़ क्षेत्र की पहाड़ियां इन दिनों कथित तौर पर अवैध खनन माफियाओं के निशाने पर हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र की पहाड़ियों से बड़े पैमाने पर पत्थरों का अवैध उत्खनन कर उन्हें सोलिंग और निर्माण सामग्री के रूप में बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है. सबसे गंभीर बात यह है कि यह पूरा कारोबार खुलेआम मुख्य मार्गों का उपयोग करते हुए संचालित हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है.

सूत्रों के अनुसार गुढ़ क्षेत्र के आसपास स्थित पहाड़ी इलाकों में लंबे समय से पत्थरों के अवैध उत्खनन का खेल जारी है. उत्खनन माफिया पहाड़ियों से पत्थर निकालकर उन्हें छोटे-बड़े टुकड़ों में परिवर्तित कर निर्माण कार्यों में उपयोग के लिए बेच रहे हैं. बताया जाता है कि रीवा-सीधी मुख्य मार्ग सहित अन्य संपर्क सड़कों से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में सामग्री का परिवहन किया जा रहा है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खनन माफिया दिन और रात लगातार पहाड़ियों से पत्थर निकाल रहे हैं. कई स्थानों पर पहाड़ियों का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है. जहां कभी विशाल चट्टानें और प्राकृतिक संरचनाएं थीं, वहां अब बड़े-बड़े गड्ढे और कटाव नजर आने लगे हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन के कारण क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा तेजी से समाप्त हो रही है. यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई पहाड़ियों का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है. सूत्रों के मुताबिक अवैध पत्थरों के परिवहन में कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लगी हुई हैं, जिनमें से कुछ पर नंबर प्लेट तक नहीं लगी होती. स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन-रात मुख्य सड़कों पर इन वाहनों की आवाजाही देखी जा सकती है, फिर भी कोई प्रभावी रोक-टोक नजर नहीं आती. जानकारी के अनुसार अवैध रूप से निकाले जा रहे पत्थरों की प्रत्येक ट्रैक्टर-ट्रॉली से दो से तीन हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं. निर्माण कार्यों में मांग अधिक होने के कारण यह कारोबार लगातार फल-फूल रहा है. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बिना अनुमति खनन किया जा रहा है तो इससे न केवल प्राकृतिक संसाधनों का नुकसान होता है, बल्कि शासन को मिलने वाला राजस्व भी प्रभावित होता है. ऐसे में अवैध खनन पर अंकुश लगाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है. समूचे गुढ़ क्षेत्र में अवैध उत्खनन लम्बे समय से चल रहा है. राजस्व और पर्यावरण दोनो का नुकसान हो रहा है लेकिन कोई कार्यवाही खनिज विभाग द्वारा नही की जाती है. जबकि शासन को राजस्व का नुकसान लगातार कई वर्षो से हो रहा है.

बस स्टैंड की हाई मास्क लाइट बनी शोपीस

गुढ़, 14 जून, नगर परिषद गुढ़ एक बार फिर अपने कार्यों को लेकर चर्चा के केंद्र में है. इस बार मामला गुढ़ के मुख्य बस स्टैंड में स्थापित हाई मास्क लाइट का है, जो वर्तमान में केवल नाम मात्र की व्यवस्था बनकर रह गई है. लाखों रुपये की लागत से लगाई गई हाई मास्क लाइट का अधिकांश हिस्सा बंद पड़ा हुआ है और केवल एक-दो लाइटें ही जलती दिखाई दे रही हैं, जिससे बस स्टैंड क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं हो पा रही है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बस स्टैंड नगर का सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण स्थान है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों यात्री और व्यापारी आते-जाते हैं. इसके बावजूद यहां लगी हाई मास्क लाइट लंबे समय से खराब पड़ी है. रात के समय बस स्टैंड का बड़ा हिस्सा अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे यात्रियों को असुविधा के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी चिंताओं का भी सामना करना पड़ता है. नागरिकों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा हाई मास्ट लाइट तो स्थापित कर दी गई, लेकिन उसके रख रखाव और समय-समय पर मरम्मत की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. सवाल यह भी उठ रहे हैं कि हाई मास्क लाइट के रख रखाव के लिए यदि बजट और राशि स्वीकृत होती है तो उसका उपयोग आखिर कहां हो रहा है? क्या संबंधित कार्य केवल कागजों तक सीमित रह गया है या वास्तव में जमीनी स्तर पर भी कोई निगरानी की जा रही है? बस स्टैंड से गुजरने वाले लोगों का कहना है कि कई महीनों से अधिकांश लाइटें बंद हैं, लेकिन नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इसे सुधारने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. हैरानी की बात यह है कि नगर परिषद कार्यालय और जिम्मेदार अधिकारियों की नजरों के सामने यह स्थिति होने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है.

श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार कर रही मोदी सरकार : सिद्धार्थ

नवभारत न्यूज

रीवा, 14 जून, भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान का क्रम निरंतर जारी है.

इसी कड़ी में त्योंथर विधानसभा के त्योंथर मंडल क्षेत्र में विधायक सिद्धार्थ तिवारी 'राज' ने प्रबुद्धजनों, व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं नागरिकों से जनसंपर्क कर संवाद स्थापित किया. इस दौरान विधायक श्री तिवारी ने विकसित भारत संकल्प 2047, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए व्यापक सकारात्मक परिवर्तनों पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का संकल्प है और इसमें समाज की सक्रिय सहभागिता महत्वपूर्ण है. श्री तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन गरीब कल्याण, समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने तथा उसे मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समर्पित है. जनसंपर्क अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों से संवाद कर उनके सुझाव प्राप्त किए गए. मंडल अध्यक्ष घनश्याम यादव आदि मौजूद रहे.

मऊगंज कलेक्टर संजय जैन योजनाओं की समीक्षा करते हुए

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : संजय

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 14 जून, कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त ग्राम रोजगार सहायकों एवं पटवारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई.

बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. इसके लिए मैदानी स्तर पर कार्यरत रोजगार सहायक एवं पटवारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए. समग्र ई-केवाईसी अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शेष पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराने, समग्र डेटा का शुद्धिकरण एवं अद्यतन करने के निर्देश दिये. उन्होंने लोक कल्याण शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदनों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए. उन्होंने कहा कि लोक कल्याण शिविर शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें. बैठक में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की समीक्षा की गई.

हनुमत कथा के बाद दरबार में लोगो की समस्या सुनते महाराज

स्थायी समिति की सभापति ने किया क्षेत्र का निरीक्षण

नवभारत न्यूज

त्योंथर, 14 जून, सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की सभापति डॉ. संगीता शर्मा ने एमपीआईडीसी के अधिकारियों अनिल सिंह एवं अभिलाष मिश्र, जनपद सदस्य वेद प्रकाश तिवारी के साथ रीवा जिले स्थित त्योंथर तहसील में घोषित औद्योगिक क्षेत्र ग्राम पंचायत टगहा ग्राम बरौ मे 12 हेक्टेयर मे आइओसीजीपीएस रिन्यूएबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा लगाये जाने वाले सीबीजी प्लांट का स्थलीय निरीक्षण किया.

घुशुरूम की एमपीआइडीसी को आवंटित भूमि का अवलोकन कर अधिकारियों से सीमांकन कराकर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान ग्राम बरौ उद्योग स्थापना क्षेत्र में पूर्व से रह रहे चिन्हित विस्थापित परिवारजनों से सभी पहलुओं पर चर्चा कर अधिकारियो को विस्थापन की प्रक्रिया जल्द पूर्ण कर बेहतर व्यवस्था प्रदान करने का निर्देश देते हुए प्रभावित परिवारों को पूरा सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया.सभापति डॉ. संगीता शर्मा ने कहा कि त्योंथर तहसील में रोजगारपरक औद्योगिक विकास हमारी समिति की प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास तथा उद्योगों की स्थापना से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे. इससे न केवल स्थानीय युवाओं को अपने तहसील में ही रोजगार मिलेगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी.

डा.संगीता ने कहा कि हमारी उद्योग समिति लगातार औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा निवेश आकर्षित करने की दिशा में रीवा एवं मऊगंज जिले में लगातार कार्य कर रही है. कई बड़ी परियोजनाएं क्षेत्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी. जनपद सदस्य वेद प्रकाश तिवारी ने कहा कि त्योंथर के ग्रामीणांचल मे बड़े उद्योगों का आगमन विकास की नई इबारत लिख सकता है. उन्होंने उम्मीद जताई कि बरौ मे सीबीजी परियोजना शीघ्र गति पकड़ेगी जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।वही कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा बरौ में प्लांट स्थापित होने से विस्थापन की प्रक्रिया को पारदर्शी तरीक़े से क्रियान्वित किया जाये जिससे लोगों का जीवन सुरक्षित और समृद्ध हो सके. क्षेत्रीय नागरिक एवं विस्थापित परिवारों का कहना है की सरकार के इस कदम से हमारी आर्थिक तस्वीर बदल सकती है. लंबे समय से रोजगार की तलाश में अन्य शहरों की ओर पलायन करने वाले युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे

हनुमत कथा के बाद लगा दरबार, निकाले गये पर्चे

नवभारत न्यूज

हनुमना, 14 जून, हनुमना में स्वामी माधवाचार्य जी महाराज की तपस्थली रामलीला मैदान में 11 जून गुरुवार से 13 जून तक चले श्रीहनुमत कथा का समापन हुआ.

इस अवसर पर कथा ब्यास 'विज्ञान धर्म सरकार लक्ष्मीनारायण दासजी महाराज शाहपुर वृंदावन पीठाधीश्वर द्वारा लगाए गए दिव्य दरबार में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तर्ज पर ही लोगों की समस्याओं के पर्चे निकालकर वह भी किसी भी व्यक्ति को बुलाकर उसकी समस्याएं उसके मन की बातें पर्चा में पहले ही लिखकर रख देने जैसे चमत्कार को देखकर उपस्थित लोग अभिभूत होते दिखे डेढ़ घंटे तक चल दरबार में दर्जनों लोगों के पर्चे महाराज जी द्वारा निकाले गए उपस्थित लोग देखकर अभिभूत व आश्चर्यचकित रहे. काफी लोग दरबार में उपस्थित रहे. समय हो जाने के कारण महाराज जी ने कहा जिन लोगों को यहां समय नहीं मिल पाया वह सभी मंगलवार व शनिवार को लगने वाले शाहपुर स्थित विज्ञान धाम सरकार हनुमान जी के दरबार में पहुंचे अवश्य उन्हें लाभ होगा हनुमान जी की कृपा बरसेगी.

दिव्य श्रीहनुमत कथा का आयोजन हनुमान जी के प्रेरणा से स्वत विज्ञान धाम सरकार के लक्ष्मी नारायण दास जी महाराज ने रखा था नित्य 4:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक हनुमान जी की कथा चलती थी तीसरे दिन 7:30 बजे तक हनुमत कथा चली तत्काल बाद से 9:30 तक दिव्य दरबार लगाया गया जिसमें भारी संख्या में नगर व आसपास क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे.

कथा के शुभारंभ में हनुमान जी महाराज एवं स्वामी माधवाचार्य जी कीआरती जहां वरिष्ठ भाजपा नेता शिवदत्त मिश्र एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रितेश केसरी के द्वारा की गई वहीं समापन अवसर पर कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना एवं नगर परिषद अध्यक्ष सोनू आशुतोष गुप्ता द्वारा श्री हनुमान जी महाराज एवं स्वामी माधवाचार्य जी की आरती कर महाराज से आशीर्वाद व बहुमान प्राप्त किया. पूर्व विधायक श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में महाराज जी द्वारा तीन दिवसीय दिव्य हनुमत कथा के माध्यम से सुंदर संदेश दिया.

विधायक नागेंद्र सिंह ने लाभार्थियों से किया संवाद

नवभारत न्यूज

गुढ़, 14 जून, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 8 जून से 14 जून तक चलाए जा रहे लाभार्थियों से जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेंद्र सिंह ने रायपुर कर्चुलियान मंडल के विभिन्न ग्रामों में सघन जनसंपर्क कर हितग्राहियों से संवाद किया.

इस दौरान उन्होंने वृक्षारोपण भी किया तथा वरिष्ठजनों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया. अभियान के तहत विधायक नागेंद्र सिंह ग्राम पड़रा, पतौना, रौरा, नाइन, रोर एवं रामनई पहुंचे, जहां उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात कर योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है. विधायक ने लाभार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की. इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी रायपुर कर्चुलियान मंडल द्वारा संचालित वरिष्ठ जन सम्मान अभियान के अंतर्गत विधायक नागेंद्र सिंह ने विभिन्न गांवों में पहुंचकर वरिष्ठजनों का सम्मान किया. बूथ पड़रा में उन्होंने पतौना में वरिष्ठ समाजसेवी गोपिका प्रसाद पाण्डेय, रौरा में पूर्व सोसायटी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी सूर्यमणि तिवारी, नाइन में समाजसेवी तेजबली सिंह का सम्मान किया.

जनसम्पर्क अभियान के दौरान लोगो से चर्चा करते गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह

बदेरा में हुआ जन कल्याण शिविर का आयोजन

नवभारत न्यूज

मैहर 14 जून, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 12 से 18 जून 2026 तक प्रदेशभर में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन को शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना एवं उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है।

इसी क्रम में मैहर क्षेत्र के बदेरा में जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित होकर आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही आवेदनों का निराकरण किया। इस मौके पर 1208 आवेदन प्राप्त किये गये। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

1 जुलाई से माँ शारदा देवी मंदिर एवं मेला परिक्षेत्र पॉलीथीन मुक्त जोन घोषित

▶ नियम उल्लंघन करने पर लगेगा जुर्माना

नवभारत न्यूज

मैहर 14 जून, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माँ शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया है।

माँ शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक द्वारा जारी आदेश के अनुसार 1 जुलाई 2026 से माँ शारदा देवी मंदिर एवं संपूर्ण मेला परिसर को पॉलीथीन मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा। यह निर्णय भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 14 मार्च 2024 को जारी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियमों के अनुरूप लिया गया है। कलेक्टर एवं मंदिर समिति अध्यक्ष मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार मां शारदा मेला के परिक्षेत्र में समस्त दुकानदारों एवं व्यापारियों के निर्देश जारी किये गये है। प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पालीथीन कैरी बैग का उपयोग पाये जाने पर 500 रूपये का अर्थदण्ड लगाया जायेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन का उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा हैं। ये नष्ट नहीं होते, बल्कि छोटे कणों में टूटकर मिट्टी और जल स्रोतों को प्रदूषित करते हैं। इसके जलने से निकलने वाली विषैली गैसें श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनती हैं, वहीं खाद्य सामग्री में रसायनों के मिश्रण से मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जारी आदेश में 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन कैरी बैग पूर्णत: प्रतिबंधित मंदिर एवं मेला क्षेत्र में प्लास्टिक का उपयोग, भंडारण, विक्रय और वितरण पर पूर्ण रोक लगा दी गई है। दुकानदारों को कपड़ा, जूट, कागज एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल बैग उपयोग करने के निर्देश दिये गये है। यदि कोई दुकानदार या व्यक्ति प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध 500 रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा।

नदी में डूबने से दो युवकों की मौत, तीसरे को बचाया

नवभारत न्यूज

रीवा, 14 जून, चाकघाट एमपी-यूपी सीमा स्थित गौरा टमस नदी में नहाने आएं एक ही परिवार के दो युवकों की नदी में डूबने से मौत हो गई. सूचना के बाद दोनों सीमाओं की पुलिस मौके पर पहुंची है. बताया गया चीख पुकार सुन स्थानीय ग्रामीणों द्वारा मौके पर पहुंचकर बचाने का प्रयास किया. लेकिन दोनों युवकों को बचाया नहीं जा सका. फिलहाल रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाल लिया गया है.

मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश सीमा नारीबारी चौकी, शंकरगढ़ थाना भारत नगर के रूप में हुई है. जिसमें कुणाल

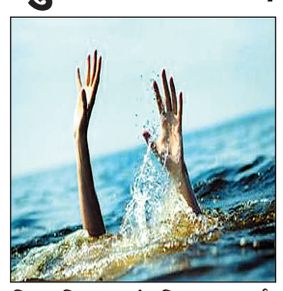

मिश्रा पिता प्रशांत मिश्रा 19 वर्ष, विशेष मिश्रा पिता विवेक मिश्रा 18 वर्ष शामिल है. उक्त घटना दोनों एमपी यूपी सीमा के बीच में घटित हुआ है. आगे की कार्यवाही उत्तर प्रदेश शंकरगढ़ थाना क्षेत्र की पुलिस द्वारा की जा रही है. बता दें कि जिस जगह पर यह घटना घटित हुआ पूर्व में वहां ब्लास्टिंग कर पत्थरों को निकालने का कार्य हुआ करता था. जिसकी वजह से वहां कई हिस्सों में काफी गहराई है. फिलहाल परिवार के दो युवकों के मृत्यु से परिवार में कोहराम मच गया है. बताया जा रहा है कि परिवार के महिला-पुरुष और युवकों को मिलकर आधा दर्जन के करीब लोग घर से करीब 3 से 4 किलोमीटर दूर नहाने के लिये पहुंचे थे. जहां एक युवक के डूबने की जानकारी होने पर दूसरा युवक बचाने के लिए आगे पहुंचा. परिवार के अन्य लोग भी बचाने के लिए आगे पहुंच. लेकिन तब तक 200 मीटर दूर के करीब स्थानीय लोग चीख पुकार सुनकर दौड़ पड़े और बचाव का कार्य शुरू किया.